सप्तमः पाठः अन्तरिक्षयात्रा

अभ्यास

(अ) तथ्यात्मक

1. निम्नलिखित का सन्दर्भ सहित हिंदी में अनुवाद कीजिए–

(क) यद्यपि याने मया बहु ..... अहम् एकं गृहमविशम्।

[**अशितम्** = खाया, **क्षुधया** = भूख से, **गुलिका**: = गोलियाँ, **अट्टालिकाः** = अटारी, ऊँचे-ऊँचे भवन, **परिलक्षिताः** = दिखाई दी, **प्रत्यभासन्त** = प्रतीत हो रही थी, **सुविशालौ** = बहुत विशाल अर्थात् बड़े-बड़े, **द्वावपि** = दोनों ही, **कपाटौ** = दोनों किवाड़, **आनावृतौ सञ्जातौ** = खुल गए, **उपलक्षितं** = प्रतीत होता है, **यदत्रत्या**: = कि यहाँ के, **क्वापि** = कहीं, **अन्ततः** = अंत में, **गृहमविशम्** = घर में प्रवेश कर गए।]

सन्दर्भ– प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक 'हिंदी' के 'संस्कृतखंड' के 'अन्तरिक्षयात्रा' नामक पाठ से उद्धृत है।

अनुवाद– यद्यपि मैंने यान में बहुत खाया था तो भी वहाँ घूमने से मैं भूख से पीड़ित हो गया। उसके लिए मैंने कुछ गोलियाँ खाईं। घूमने पर मैंने बड़े-बड़े सुंदर मार्ग देखे। मार्ग के दोनों ओर गगन को छूने वाले ऊँचे-ऊँचे भवन दिखाई दिए। ये सब नए बने हुए से प्रतीत हो रहे थे। जब हम उस नगर के द्वार पर पहुँचे, उसके बड़े-बड़े दोनों किवाड़ खुल गए। ऐसा प्रतीत होता था कि कोई हमारी प्रतिक्षा करता हुआ बैठा था। वहाँ यातायात के लिए कोई साधन नहीं था। मैंने सोचा कि यहाँ के सब नगरवासी कहीं गए हुए हैं। अंत में मैंने एक घर में प्रवेश किया।

(ख) तत्रासीत् एकः महान् ..... सङ्कटापन्नः भविष्यति।

[**कक्षः** = कमरा, **समुन्नतं** = बहुत ऊँचा, **स्वचालितौ** = अपने आप चलने वाले, **अनावृतौ** = खुल गए, **विस्तीर्णे** = विशाल, **चित्रपट कार्यक्रमः** = सिनेमा का कार्यक्रम, **अश्रूयत्** = सुनाई पड़ी, **अत्रापि** = यहाँ भी, **महती** = बहुत बड़ी, **पोषणाय** = पालन-पोषण के लिए, **समुपलब्धा** = प्राप्त कर ली थी, **अवाप्तम्** = प्राप्त था, **सुप्तः अभवत्** = सो गया या मर गया, **विज्ञापयितुं** = बतलाने के लिए, **तथ्यं** = रहस्य, **जानीयात्** = जान ले, **गृहणीयात्** = ग्रहण करें, **अचिरमेव** = शीघ्र ही, **विनङ्क्षयति** = नष्ट हो जाएगा, **विरतः** = बंद हो गई, **घर्घरनादः** = घर्घर की ध्वनि, **अपतम्** = गिर पड़ा, **तथैव** = उसी प्रकार का, **सङ्कटापन्नः** = संकटग्रस्त।]

अनुवाद– वहाँ एक बड़ा कमरा था, जिसमें दरवाजा बहुत ऊँचा था। वहाँ भी किवाड़ अपने आप चलने वाले थे और स्वयं खुल गए। उस विशाल भवन में स्वयं चलने वाला चित्रपट कार्यक्रम चल रहा था। उसमें एक धीमी आवाज सुनाई दी। उसमें उस लोक की कथा इस प्रकार वर्णित थी– ''कभी यहाँ भी मनुष्यों का सभ्य समाज था। वह समाज बहुत उन्नत था। उसने बड़ी वैज्ञानिक प्रगति प्राप्त कर ली थी। उस समाज के सभी कार्य स्वचालित थे, किंतु दु:ख है कि जनसंख्या की अधिकता के कारण पोषण के लिए भोजन प्राप्त नहीं था। अन्त में भोजन के बिना सारा समाज सो गया(नष्ट हो गया) ये यन्त्र केवल यह बताने के लिए ही चलते हैं कि दूसरे किसी लोक का मानव यह रहस्य जान ले और हमारा संदेश ग्रहण करें। शीघ्र ही यह सब स्वयं नष्ट हो जाएगा।'' इस प्रकार बताकर अचानक वह ध्वनि रुक गई। वहाँ कोई महान घर्घर का शब्द उठा। मैं भी भूमि पर गिर पड़ा। तब मैंने जाना कि मैं एक विचित्र स्वप्न देख रहा था। मैंने बार-बार सोचा यदि हम भी अन्न के उत्पादन में और रक्षा करने में सावधान न हुए तो हमारा पृथ्वीलोक भी उसी प्रकार संकटग्रस्त हो जाएगा।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए–

(क) पर्यटकः अन्तरिक्षं केन यानेन अगच्छत्?

उ०– पर्यटकः अन्तरिक्षं राकेटयानेन अगच्छत्।

(ख) पर्यटकः स्वप्ने कुत्र अगच्छत्?

उ०– पर्यटकः स्वप्ने अन्तरिक्षलोकं अगच्छत।

(ग) क्षुधया पीड़ितः पर्यटकः किम् अखादत्?

उ०– क्षुधया पीड़ितः पर्यटकः काश्चित् गुलिकाः अखादत।

(घ) मार्गम् उभयतः किं आसीत्?

उ०– मार्गम् उभयतः गगनचुम्बिन्यः अट्टालिकाः आसीत्।

(ङ) यानात् बहिः आगत्य यात्री कुत्र पर्यटम्?

उ०– यानात् बहिः यात्री मार्गे पर्यटम्।

(च) क्षुधा दूरीकरणाय यात्री किम् अकरोत्?

उ०– क्षुधा दूरीकरणाय यात्री गुलिकाः अखादत्।

(छ) तत्र पर्यटकः किम् अशृणोत्?

उ०– तत्र पर्यटकः अशृणोत् यत् ''अत्रापि सभ्यः समाजः आसीत्।''

(ब) अनुवादात्मक

निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

1. **मैं प्रातःकाल के समय उस लोक में पहुँचा।**
   अनुवाद– अहं प्रातःकालस्य तत्र लोके उपागच्छम्।
2. **वहाँ पर कोई भी पेड़ नहीं था।**
   अनुवाद– तत्र कोऽपि वृक्षः न आसीत्।
3. **मैं रॉकेट यान से धीरे-धीरे उतरा।**
   अनुवाद– अहं राकेटयानेन शनैः-शनैः अवातरम्।
4. **मैं पृथ्वी पर गिर पड़ा।**
   अनुवाद– अहं भूमौ अपतम्।
5. **वहाँ सूर्य नहीं था फिर भी उजाला था।**
   अनुवाद– तत्र सूर्यः न आसीत् यद्यपि प्रकाशः आसीत्।
6. **भवन में स्वयं खुलने वाले दरवाजे थे।**
   अनुवाद– भवने स्वचालितः कपाटौ आसीत्।
7. **मेरे सामने एक सुंदर नगर आ गया।**
   अनुवाद– मया सम्मुखं एकं सुन्दरं नगरं आपतितम्।

(स) व्याकरणात्मक

1. **निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए–**

संधि शब्द	**संधि-विच्छेद**
यावदेव	यावत् + एव
उपागच्छं	उप + आगच्छं
तत्रासीत्	तत्र + आसीत्
प्रत्यभासन्त	प्रति + अभासन्त
समुपलब्धा	सम + उपलब्धा

2. **निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों में प्रयुक्त विभक्ति का कारण बताइए–**

   (क) अन्ततः <u>भोजनं</u> विना सकलः समाजः सुम्वः अभवत्।

   उ०– 'विना' के योग में द्वितीय विभक्ति होती है।

   (ख) तथापि तत्र <u>भ्रमणेन</u> अहं क्षुधया पीडितः।

   उ०– कारण में तृतीय विभक्ति होती है।

   (ग) तत्र <u>यातायातास्य</u> कृते न किमपि साधनम् आसीत्।

   उ०– कृते के योग में षष्ठी विभक्ति होती है।

   (घ) अहमपि <u>भूमौ</u> अपतम्।

   उ०– आधार में सप्तमी विभक्ति होती है।

3. उपागच्छं (उप + आगच्छं) शब्द में 'उप' उपसर्ग है। इसी तरह निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग बताइए–

शब्द	**उपसर्ग**
अनुभूतम्	अनु
उपागता:	उप
अचिन्तयं	अ
सुविशालौ	सु
बहुसमुन्नत:	बहु

(द) पाठ्येत्तर सक्रियता

विद्यार्थी स्वयं करें